



## A Baker From Goa Summary

**A Baker From Goa Summary:-** In this story, the writer is describing the Bakers of Goa. We all know that Goa is an influenced place by Portu-guese. Their conventional everyday family work is baking bread. Such bakers are popularly known as pader in Goa. The author shares his childhood experiences and friendly companionship with bakers. These bakers were experts in their profession.

Usually, in the morning, the rattling sound of bamboo roused them from night sleep. The inhabitants were much fond of the sweetened bread made by these expert bakers. One of the bakers was the author's friend, companion and guide who used to visit his house twice a day. All the family members were excited to hear him the 'jhang, jhang' sound of his specially made bamboo staff. The bakers had a peculiar dress. They wore a specific dress named kabai. It was one-piece long dress that touched the knees. The bakers had a jackfruit like a body and quite happy.

The bakers led an exciting and happy life. All important occasions like weddings and festival celebrations were incomplete without the bakers' arrival and their loaves of sweet bread (bol). It was a very profitable business for them. Their earnings were quite worthy and good to meet their tasks and responsibilities.

## A Baker From Goa Summary in Hindi

**A Baker From Goa Summary in Hindi-** इस कहानी में लेखक गोवा के बेकर्स का वर्णन कर रहा है। हम सभी जानते हैं कि गोवा पुर्तगाली भाषा से प्रभावित स्थान है। उनका पारंपरिक रोजमर्रा का पारिवारिक काम रोटी पकाना है। ऐसे बेकर्स को गोवा में पैडर के नाम से जाना जाता है। लेखक अपने बचपन के अनुभवों और बेकर्स के साथ मैत्रीपूर्ण सहयोग को साझा करता है। ये बेकर्स अपने पेशे में माहिर थे।

आमतौर पर सुबह बांस की खड़खड़ाहट की आवाज से उनकी रात की नींद खुल जाती थी। निवासियों को इन विशेषज्ञ बेकर्स द्वारा बनाई गई मीठी रोटी बहुत पसंद थी। बेकर्स में से एक लेखक का मित्र, साथी और मार्गदर्शक था जो दिन में दो बार उसके घर आता था। उनके विशेष रूप से बनाए गए बांस के डंडे की 'झंग, झंग' ध्वनि सुनकर परिवार के सभी सदस्य उत्साहित थे। बेकर्स की एक अनोखी पोशाक थी। वे कबाई नामक एक विशिष्ट पोशाक पहनते थे। यह वन-पीस लंबी पोशाक थी जो घुटनों को छूती थी। बेकर्स का शरीर कटहल जैसा था और वे काफी खुश थे।

बेकर्स ने एक रोमांचक और खुशहाल जीवन जीया। शादी और त्योहार समारोह जैसे सभी महत्वपूर्ण अवसर बेकर्स के आगमन और उनकी मीठी रोटी (बोल) के बिना अधूरे थे। यह उनके लिए बहुत लाभदायक व्यवसाय था। उनकी कमाई उनके कार्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए काफी योग्य और अच्छी थी।